शोध संचयन
SHODH SANCHAYAN
ISSN 2249-9180 (Online)
ISSN 0975-1254 (Print)
RNI No.: DELBIL/2010/31292

Bilingual journal of Humanities & Social Sciences

Half Yearly

Vol-1, Year-1,

15 Jan-2010

चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के शैक्षणिक एवं अनुसंधान कार्यक्रम

- प्रो० ज्ञानेन्द्र सिंह

कुलपति, म०गाँ० चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट, सतना, मध्य प्रदेश

www.shodh.net

चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के शैक्षणिक एवं अनुसंधान कार्यक्रम

- प्रो० ज्ञानेन्द्र सिंह

ग्रामोदय विश्वविद्यालय ग्रामीण विकास के लिए समर्पित उच्च शिक्षा का एक शांतिप्रिय संस्थान है। स्थानीय साधनों एवं वहाँ के निवासियों में उपलब्ध कुशलता का इस्तेमाल करते हुए उनके जीविकोपार्जन में प्रगति करना ही ग्रामीण विकास है। जीविकोपार्जन के साथ-साथ आर्थिक आत्मनिर्भरता, सामाजिक, धार्मिक आस्था में प्रगति एवं समरसता ग्रामीण विकास का मूलभूत लक्ष्य है। कृषि, उद्योग एवं हस्तकला जीविकोपार्जन के मुख्य स्रोत होते हैं। अनुसंधान एवं गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा संस्थान ग्रामोदय की अनिवार्य आवश्यकता है। इन्हीं उद्देश्यों को लेकर मध्य प्रदेश शासन ने चित्रकूट में महात्मा गाँधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय की स्थापना की थी। विश्वविद्यालय का मुख्य उद्देश्य है- ग्रामीण विकास के कार्यक्रमों को बढ़ावा देने वाले पाठ्यक्रमों द्वारा छात्रों को दक्ष बनाना, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक जिम्मेदारियों के निर्वाह के लिए योग, कला एवं संगीत के माध्यम से उच्च शिक्षा प्रदान करना, कृषि, पशुपालन, वन-उत्पाद, औषधियों के उत्पादन में बढ़ोत्तरी के लिए अनुसंधान करना एवं उनको प्रसंस्कृत कर मूल्य में बृद्धि करने के साथ ही कृषि, लघु उद्यमियों के व्यवसाय को बढ़ावा देना, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं के साथ मिलकर ग्रामीण विकास को बढ़ावा देना, ग्रामीण विकास से संबंधित ब्यौरा रखना एवं आवश्यकतानुसार उपलब्ध कराना। कृषि, पशुविज्ञान, विज्ञान, पर्यावरण, जी.आई.एस. एवं रिमोट सेंसिंग, कृषि अभियांत्रिकी, सूचना प्रौद्योगिकी, खाद्य प्रौद्योगिकी, प्रबन्धन, ललितकला, शिक्षा, ग्रामीण विकास आदि विषयों के बहुआयामी पहलुओं पर केन्द्रित पी.एच.डी. स्तर की शिक्षा और अनुसंधान प्रदान करना भी ग्रामोदय विश्वविद्यालय का मुख्य उद्देश्य है। इसी के साथ विश्वविद्यालय योग, प्राकृतिक चिकित्सा एवं आयुर्वेद की शिक्षा प्रदान करता है। इन सब को संचालित करने हेतु विश्वविद्यालय को पाँच संकायों एवं चौदह विभागों में बाँटा गया है :-

1. कृषि संकाय
   - अ. सस्य विज्ञान विभाग
   - ब. प्राकृतिक संसाधन प्रबन्धन विभाग
   - स. प्रौद्योगिकी हस्तांतरण विभाग
2. अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय
   - अ. खाद्य एवं कृषि अभियांत्रिकी विभाग
   - ब. इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग
   - स. ग्रामीण अभियांत्रिकी विभाग
3. शिक्षा, ललितकला, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय
   - अ. लोक शिक्षा एवं जनसंचार विभाग
   - ब. व्यावसायिक कला विभाग
   - स. मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग
4. ग्रामीण विकास एवं प्रबन्धन संकाय
   - अ. ग्रामीण प्रबन्धन विभाग
   - ब. व्यवसाय प्रबन्धन विभाग
5. विज्ञान एवं पर्यावरण संकाय
   - अ. भौतिकी विज्ञान विभाग
   - ब. जैविक विज्ञान विभाग
   - स. ऊर्जा एवं पर्यावरण विभाग

एम.फिल., पी-एच.डी. के अनुसंधान हेतु विश्वविद्यालय के छात्र शोध निर्देशक एवं सहशोध निर्देशक बाहर से चुनने के लिए स्वतंत्र हैं किन्तु विश्वविद्यालय बाहर के शोध निर्देशक एवं सहशोध निर्देशक को निर्धारित मापदण्डों पर सुविधा प्रदान करता है। अनुसंधान के लिए छात्र निम्नलिखित विधाओं में कोई भी शीर्षक चुन सकते हैं :-

- Agriculture, agro-forestry and animal husbandry for livelihood;

शोध संचयन SHODH SANCHAYAN

शोध संचयन
SHODH SANCHAYAN
ISSN 2249-9180 (Online)
ISSN 0975-1254 (Print)
RNI No.: DELBIL/2010/31292

Bilingual journal of Humanities & Social Sciences

Half Yearly

Vol-1, Year-1,

15 Jan-2010

चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के शैक्षणिक एवं अनुसंधान कार्यक्रम

- प्रो० ज्ञानेन्द्र सिंह

कुलपति, म०गाँ० चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट, सतना, मध्य प्रदेश

www.shodh.net

- Agricultural engineering, agro-processing, and foods technology;
- Soil conservation and water management;
- Remote sensing, resource inventory, GIS based planning;
- Data base information and communications (IT) for rural development;
- Habitat needs of energy, sanitation, and housing;
- Traditional health system, yoga and human consciousness;
- Innovative strategies for people's education;
- Socio-economic problems of rural societies;
- Effective models of sustainable rural development;
- Local self governance; and
- Human justice and development of weaker section including gender issues.

पी-एच.डी. में पंजीयन के लिये शोधार्थी को शोध उपाधि समिति (RDC) के समक्ष साक्षात्कार के लिए शोध संक्षिप्तिका प्रस्तुत करना अनिवार्य है। पंजीयन के पश्चात् छात्रें को पी-एच.डी. तैयारी पाठ्यक्रम परीक्षा (Preparatory Examination) उत्तीर्ण होना अनिवार्य है, जिसमें कुल पाँच प्रश्न होते हैं-वैज्ञानिक शोध की अवधारणा (General Concept of Scientific Research), शोध में कम्प्यूटर के अनुप्रयोग (Computer Application In Research), भाषा एवं संप्रेषण कौशल (Language and Communication skill), क्रिया अनुसंधान परियोजना की पहचान एवं उनका निर्माण (Identification of Action research Projects, their formulation) तथा अनुसंधान संचार एवं शोधविषय की सघन जानकारी (research communication, Intensive study of the research subject)। तैयारी पाठ्यक्रम परीक्षा का मुख्य उद्देश्य शोध कार्य की गुणवत्ता के साथ ही साथ क्रिया अनुसंधान (Action Research) व मौलिक अनुसंधान कार्य को बढ़ावा देना है। शोध प्रबंध प्रस्तुत करने के पूर्व तीन सेमिनार में प्रपत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य है।

विश्वविद्यालय में शिक्षा सेमेस्टर पद्धति से दी जाती है। छात्र किसी सेमेस्टर में उपलब्ध विषयों में से सभी या कुछ विषयों को अपनी सुविधानुसार चुन सकते हैं। किन्तु यदि सभी विषय एक सेमेस्टर के नहीं चुनते हैं तो उनके समय में नियमानुसार बढ़ोत्तरी की जाती है।

उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं बाह्य शिक्षकों द्वारा कराया जाता है। प्रत्येक प्रश्न-पत्र में 20 प्रतिशत आन्तरिक एवं 80 प्रतिशत बाह्य अंक होते हैं। प्रश्नोत्तरी, मध्यावधि परीक्षा एवं सत्रीय कार्य (Quiz, Mid term test & assignment) अनिवार्य है। सभी छात्रों को सत्रीय कार्य (Assignment) के साथ ही सेमिनार प्रस्तुति भी करना होता है ताकि उनकी प्रतिभा में निखार आ सके। यदि कोई छात्र परीक्षा में अनुत्तीर्ण हो जाता है तो उसे दो बार पुनः परीक्षा की सुविधा दी जाती है।

विश्वविद्यालय में उपलब्ध संसाधन

विश्वविद्यालय का मुख्य परिसर मंदाकिनी नदी के किनारे स्फटिकशिला के पास 20 हेक्टेयर में स्थापित है, जहाँ सभी संकाय एवं विभाग हैं। इसी के साथ 80 एकड़ का कृषि प्रक्षेत्र है जो छात्रों के प्रशिक्षण हेतु उपलब्ध है। प्रक्षेत्र में ग्रीनहाउस, ड्रीप, एरिगेशन की सुविधा के साथ आम, अमरूद, कटहल, केला, गुलाब आदि के बागान हैं। प्रक्षेत्र में किसानों के लिए उन्नत किस्म के पौध भी तैयार किये जाते हैं।

केन्द्रीय ग्रंथालय

विश्वविद्यालय के पास वातानुकूलित पुस्तकालय है, जहाँ पर पुस्तकें, जर्नल, मैग्जीन के साथ CD ROM की सुविधा उपलब्ध है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा Inflibnet उपलब्ध कराया गया है, जहाँ 4-5 हजार जर्नल उपलब्ध हैं। सभी छात्रों को बुक बैंक की सुविधा भी उपलब्ध है।विश्वविद्यालय के पास 350 कम्प्यूटर के साथ छात्रों एवं विश्वविद्यालय कर्मियों के लिए इन्टरनेट सुविधा उपलब्ध है। विश्वविद्यालय वीडियो कान्फ्रेन्सिंग के माध्यम से दूरस्थ शिक्षा केन्द्रों से संपर्क बनाए हुए है। विश्वविद्यालय के पास जी.आइ.एस. एवं रीमोट सेन्सिग की सुविधा उपलब्ध है जहाँ प्राकृतिक संसाधनों के परीक्षण के साथ स्नातकोत्तर स्तर की शिक्षा प्रदान की जाती है।

सहयोगी

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, डिपार्टमेन्ट ऑफ टेक्नालॉजी, इग्नू, DEC, RRL एवं हिन्दी ग्रंथ अकादमी आदि संस्थाओं के साथ मिलकर कार्य करता है। विश्वविद्यालय के सभी शैक्षणिक कार्यक्रम मानक संस्थाओं से मान्यता प्राप्त हैं। विश्वविद्यालय ग्रामीण विकास मंत्रालय के कार्यक्रम राज्य ग्रामीण विकास संस्थान के साथ मिलकर प्रशिक्षण का कार्य करता है- जिससे पंचायतीराज के पदाधिकारियों को प्रशिक्षण मिलता है एवं ग्रामीण कारीगरों, सिंचाई, मृदा विकास आदि के कार्यक्रम सम्मिलित हैं।

SHODH SANCHAYAN